प्रेस-विज्ञप्ति

दीव में आर्थिक गणना कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

समाहर्ता श्रीमती सलोनी राय ने हरी झंडी दिखाकर 7वीं आर्थिक गणना दल को किया रवाना

दीव 11 सितंबर, 2019 : दीव समाहर्ता श्रीमती सलोनी राय ने आज समाहर्तालय परिसर में हरी झंडी दिखाकर सातवीं आर्थिक गणना दल को रवाना किया। इससे पूर्व माननीया समाहर्ता ने समाहर्तालय सभागार में 7वीं आर्थिक गणना कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर दीव के उप-समाहर्ता श्री हरमिंदर सिंह के साथ दीव मामलतदार श्री चंद्रहास वाजा, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, अहमदाबाद के वरिष्ठ सांख्यिकीय अधिकारी श्री के.एस. पटेल आदि उपस्थित रहे।

इस मौके पर दीव समाहर्ता ने सभी पर्यवेक्षक और संकलनकर्ताओं को इस गणना कार्य हेतु शुभकामनाएं दी और कहा कि इस गणना में शामिल सभी अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दें। साथ ही सही तरीके से आर्थिक गणना कार्य को संपादित किया जाए। सही डाटा मुहैया कराना संकलनकर्ताओं और पर्यवेक्षकों का मूल दायित्व है, वे अपने दायित्व का पूरी तरह निर्वाहन करें। उन्होंने दीव के लोगों से भी अपील की कि वे सही आंकड़े आर्थिक गणना दल के सदस्यों को मुहैया करायें, ताकि भारत सरकार को प्रदेश के विकास परियोजनाओं के लिए सही जानकारी उपलब्ध हो सके। इसके उपरांत दीव समाहर्ता श्रीमती सलोनी राय और उप-समाहर्ता श्री हरमिंदर सिंह ने हरी झंडी दिखाकर आर्थिक गणना दल के सदस्यों को रवाना किया। यह दल आर्थिक गणना, 2019-20 के तहत दीव जिले के व्यावसायिक एवं आवासीय भवनों का सर्वेक्षण करेगी और इसकी समेकित रिपोर्ट संबंधित मंत्रालय को भेजेगी। प्रदेश के विकासात्मक कार्यों के दृष्टिकोण से यह सर्वेक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण एवं उपयोगी है।

ध्यातव्य हो कि वर्ष 1976 में आर्थिक गणना स्कीम को लागू किया गया था और अबतक भारत सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अधीन छः बार आर्थिक गणना कार्यक्रम को संपादित किया जा चुका है। वर्ष 2019 में सातवीं आर्थिक गणना कार्यक्रम चलाया जा रहा है। सातवीं आर्थिक गणना कार्यक्रम सी.एस.सी. भारतीय ई-गवर्नेंश सेवा लिमिटेड के अधीन एवं पर्यवेक्षण में चलायी जा रही है। दीव जिले में आर्थिक गणना हेतु कुल 22 संकलनकर्ताओं की तैनाती की गई है जो चार पर्यवेक्षकों की निगरानी में कार्य करेंगे। यह दल तीन माह की समयावधि में अपनी रिपोर्ट संबंधित मंत्रालय को सौंपेगी। आज इस कार्यक्रम का सफल संचालन सी.एस.सी. के स्टेट परियोजना प्रबंधक श्री मनोज निमायत ने सफलतापूर्वक किया।

CSC
सातवीं आर्थिक गणना
2019
शुभारंभ